

## Replenishing the disappearing ponds

- [Ashok Kumar](#)

In rapidly urbanising Gurgaon, the Municipal Corporation of Gurgaon (MCG) has decided to rejuvenate a small set of ponds. Recognising the importance of about 120-odd Johads (ponds), which have either shrunk or have just vanished, the corporation has entered into an agreement with Future Institute, a not-for-profit and an applied urban research based organisation in New Delhi. The institute will provide technical and design support to the MCG for the next two years.

With rejuvenation of these ponds, the authorities hope that it would improve biodiversity by attracting birds and encouraging establishment of native vegetation, plants and trees. In addition, the project aims to revive the socio-cultural capital of Gurgaon by developing these spaces as places of social interaction and cultural exchange in day to day lives of the residents as well as by organising some festivals and undertaking events at city scale that have been traditionally a part of the social fabric of Haryana.

First in the series, Deputy Commissioner T. L. Satyaprakash inaugurated the work on Basai pond on Monday in the presence of various officials and representatives from MCG, Future Institute and local residents.

Addressing the event, Mr. Satyaprakash drew the analogy of a wedding in a village to the process of making this launch a successful beginning saying, "Similar to a wedding in a village, this initiative is like a collective celebration, everyone owns it, they contribute according to their ability, and though things go wrong the event happens successfully and only the good times are remembered. Let's hope the will and cooperation of all stakeholders come together and enable in making our city clean healthy, liveable and sustainable."

"We hope that soon citizens of Gurgaon will be proud of these water bodies rather than turning away from these ponds as was done in the recent past, and the water table will be slowly restored to a state of health", said Mr. Sanjay Prakash, core mentor, Future Institute.

Corporates have also offered to sponsor this initiative as part of their CSR fund for sustainability.

---

Printable version | Feb 17, 2016 1:41:58 PM | <http://www.thehindu.com/news/national/other-states/replenishing-the-disappearing-ponds/article8246068.ece>

© The Hindu

# जलवायु परिवर्तन से भी आतंकवाद जैसे लड़िए

इस वैश्विक संकट से निपटने के लिए सबसे पहले हमें सोच के स्तर पर जंग जीतनी होगी।

17-2-16

रुथ ग्रीनस्पैन बेल  
बुइरो विल्सन इंटरनेशनल सेंटर  
फॉर स्कॉलर्स



भीषण रूप लेता मौसम, बढ़ता जल संकट और जीका जैसे मच्छरजनित रोग-ये सभी वैश्विक स्तर पर रोजाना हमें प्रभावित कर रहे हैं। और इन सभी का रिश्ता तेजी से गरम होते धरती के तापमान से है। बावजूद इसके हम आज भी जलवायु परिवर्तन से निपटने में वैसी संजीदगी नहीं दिखा रहे, जैसी किसी दूसरे कार्य में दिखाते हैं। जैसे, आतंकी हमलों में। संभव है कि इसकी वजह हमारे स्वभाव से गहरे जुड़ी हो। हमारा विकास जिस तरह से हुआ है, उसमें ऐसी सोच पनपी ही नहीं कि हम जलवायु परिवर्तन का तुरंत हल तलाशें। असल में, हमारा सारा जोर सिर्फ फौरी चुनौतियों पर होता है, उन समस्याओं पर नहीं, जो भविष्य के गर्भ में होती हैं। आर्कटिक की बर्फ के पिघलने, अनियमित बर्फबारी, या गरमी व सर्दी के समय चक्र में बदलाव हमें उतना चिंतित नहीं करते, जितना कि कोई आतंकी घटना या वैसी घटनाएं करती हैं, जो तुरंत हमारे शरीर को नुकसान पहुंचाए।

ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन को कठोरता से रोकने की राह में चुनौती यह है कि अगर हमें इसे रोकना है, तो यह सोचना पड़ेगा कि कोई खास गतिविधि या कदम खतरनाक है, या कि वह प्रक्रिया, जो हमारे दिमाग के विभिन्न हिस्सों को इससे जोड़ देती है। दरअसल, सिर्फ वैज्ञानिक शोधों व अनुसंधानों के जरिए समझे जाने वाले खतरों से लड़ने के लिए हमारा शरीर तैयार नहीं होता। अगर यह समझना है कि जलवायु परिवर्तन किस तरह मानव के लिए खाद्यान्न संकट

बढ़ाएगा, तो सबसे पहले हमें किताबी आंकड़ों से बाहर निकलना पड़ेगा। उसे अनुभव करना होगा।

इसे एक उदाहरण से समझते हैं। हम जलवायु परिवर्तन पर तभी ध्यान देते हैं, जब वह हमें नुकसान पहुंचाता है। मगर कोई भी आपदा शायद ही एक वक्त पर सभी जगह के लोगों को नुकसान पहुंचाती है। लिहाजा बदलते वक्त के साथ त्रासदी की यादें धुंधली पड़ जाती हैं। बीते दिसंबर में हुआ पेरिस सम्मेलन एक ऐसा मौका था, जब हममें से ज्यादातर ने इस पर सामूहिक रूप से ध्यान दिया। तब कुछ हफ्तों तक हमने रोजाना ढेरों आंकड़े व विश्लेषण देखे।

मगर अब एक बार फिर हम अपने पुराने खोल में लौट आए हैं। हममें से ज्यादातर यह भूल बैठे हैं कि बढ़ रहा तापमान मानव जीवन के लिए दोगुना बड़ी चुनौती खड़ी कर सकता है। हम यही सोचते हैं कि अगर जलवायु परिवर्तन खाद्यान्न उत्पादन में मदद करने वाले कीटों को नुकसान पहुंचाता भी है, तो उससे हमें क्या? हम तो तब तक इस मुद्दे को नजरंदाज करते हैं, जब तक कि हमारा बॉस हमें ब्राजील जाने को न कहे। तब हम जीका की सोचते हैं। हमारी मुश्किल यही है। हम सोचते हैं कि कोई विशेषज्ञ कहीं दूर बैठा हमारे लिए इस समस्या का हल खोज रहा होगा। जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए इसी सोच से पार पाना आज की बड़ी चुनौती है।

साभार गार्जियन  
(ये लेखिका के अपने विचार हैं)

# इस हफ्ते बारिश के साथ सर्दी की विदाई होगी



नई दिल्ली | हिन्दुस्तान टीम

दिल्ली में सर्दी के मौसम की विदाई का वक्त आ चुका है। इस हफ्ते हल्की बारिश होगी और फिर हफ्ते के अंत में मौसम सुहाना हो जाएगा।

मौसम एजेंसी स्काईवेदर की हालिया रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। राजधानी में वर्तमान तापमान सामान्य के आसपास है। न्यूनतम तापमान भी सामान्य से दो डिग्री सेल्सियस ऊपर मंडरा रहा है। इस बीच पंजाब और हरियाणा में नया

चक्रवात बनने से पूर्वी गर्म हवाएं दिल्ली-एनसीआर की ओर बहने लगेंगी। इससे अगले दो दिन में अधिकतम और न्यूनतम तापमान में दो से तीन डिग्री का इजाफा होगा। यानी राजधानी गर्म होगी। पर इसके बाद उत्तरी पाकिस्तान की ओर से आने वाला नया पश्चिमी विक्षोभ इस हफ्ते के अंत तक दिल्ली का मौसम बदल देगा।

यह विक्षोभ पहले जम्मू-कश्मीर पहुंचेगा। फिर इससे राजस्थान में एक चक्रवात का निर्माण होगा। यह चक्रवात राजस्थान और आसपास के इलाकों में हल्की-फुल्की बरसात कराएगा। इसके प्रभाव से ही 21 और 22 फरवरी तक दिल्ली में भी बरसात होगी। मौसम में इस बदलाव से न्यूनतम तापमान में गिरावट आएगी और सुहाने दिनों की शुरुआत होगी।

## बाराही धाम में सूखे से निजात के लिए पूजा की

देवीधुरा (हलद्वानी) | हमारे संवाददाता

उम्मीद

हलद्वानी जिले में जबर्दस्त सूखे का सामना कर रहे लोग अब बारिश के लिए देवी देवताओं की शरण में जाने को मजबूर हो गए हैं। पुरानी परम्पराओं व के अनुसार इन्द्र देव को प्रसन्न करने के हर उपाय किए जा रहे हैं।

मंगलवार को लोगों ने देवीधुरा के प्रसिद्ध शक्तिपीठ मां बन्न बाराही के गर्भगृह में जलाभिषेक कर बारिश की मन्नत मांगी। मान्यता है कि देवी के

- पूजा अर्चना के लिए माहरा जाति के लोगों ने चढ़ाया जल
- चार खाम सात थोकों के लोग भी थे मौजूद

गर्भगृह में जलाभिषेक करने से बारिश होती है तथा अकाल व भुखमरी का प्रकोप शान्त हो जाता है। बैरख गांव के लोगों ने बाराही धाम पहुंचकर विधि विधान से पूजा अर्चना की।

15-17-2-16

## अमेरिका में बर्फीले तूफान का कहर, नदियां जमीं

वाशिंगटन | एजेंसी

अमेरिका के कई राज्यों में बर्फीले तूफान ने जमकर कहर बरपाया है। सोमवार को आए इस तूफान के साथ हो रही बारिश ने लोगों को घरों में रहने को मजबूर कर दिया है।

सबसे ज्यादा बर्फबारी न्यूयॉर्क और जॉर्जिया में हुई है। न्यूयॉर्क में डेलावेअर नदी समेत कई और अन्य नदियां जम गई हैं। बर्फबारी के चलते विजिबिलिटी बेहद कम हो गई है, जिसके चलते वाशिंगटन, नॉर्थ कैरोलिना और न्यूयॉर्क में विमानों की उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। वहीं, सड़कों पर जमी बर्फ के कारण हुए हादसों में अब तक चार लोगों की मौत हो गई।

### आफत

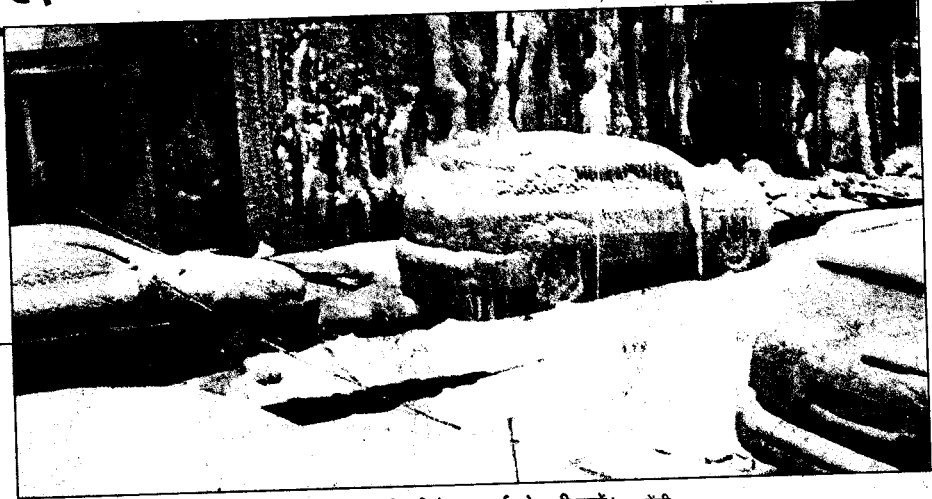
**02** हजार से ज्यादा उड़ानें रद्द हुईं बर्फबारी के कारण

**02** हजार से ज्यादा सड़क हादसे हुए बर्फबारी के चलते

**04** इंच तक बर्फबारी हुई वाशिंगटन और न्यूयॉर्क में

- विजिबिलिटी कम होने से ट्रांसपोर्टेशन बुरी तरह प्रभावित

रिपोर्ट के मुताबिक, न्यूयॉर्क में लोगों को घरों से बाहर नहीं निकलने की सलाह दी गई है। तूफान के बवंडर में वेसन में एक हाई स्कूल और अलबामा में फायर विभाग का मुख्यालय भी पूरी तरह नष्ट हो गया।



अमेरिका के फिलाडेल्फिया में सोमवार को हुई भारी बर्फबारी के बाद बर्फ से ढकी कारें। • एजेंसी

# 19 और 20 को हो सकती है बारिश

PTI

■ स, नई दिल्ली

दिल्ली में 19 और 20 फरवरी को बारिश होने की उम्मीद है। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक मौसम में आए बदलाव की वजह से एक सिस्टम बनेगा, जिससे बारिश की उम्मीद है। मौसम विभाग ने अपने बुलेटिन में कहा कि बुधवार सुबह हल्का कोहरा छा सकता है। मैक्सिमम टेंपरेचर 26 डिग्री और मिनिमम टेंपरेचर 11 डिग्री रहने का अनुमान है।

मंगलवार को मैक्सिमम टेंपरेचर 24.6 डिग्री दर्ज हुआ। यह सामान्य रहा। मिनिमम टेंपरेचर नॉर्मल से दो डिग्री कम

के साथ 9.2 डिग्री रहा। स्काइमेट के मौसम वैज्ञानिक महेश पलावत ने कहा कि अभी दिल्ली में कोई भी मौसम का सिस्टम नहीं मौजूद है। अगले दो से तीन दिनों तक सामान्य मौसम रह सकता है। वहीं 19 और 20 फरवरी को बारिश होने की उम्मीद है। नए वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के असर से नमी वाली हवाएं दिल्ली में दस्तक देंगी जिससे बारिश जैसा मौसम बनने के आसार हैं।

दिल्ली और आसपास के इलाकों में 20 फरवरी के बाद तापमान कम हो सकता है। अभी, दिल्ली में तापमान कम नहीं होगा। नव-17-2-16

